सावधान! वजन बढ़ाने वाले पावडर से

तीन युवकों के हिप ज्वाइंट खराब

▸▸ मेडिकल में चौंकाने वाले मामले आए सामने

▸▸ 'मशरूम एडी' पावडर के चक्कर में युवा हो रहे दिव्यांग

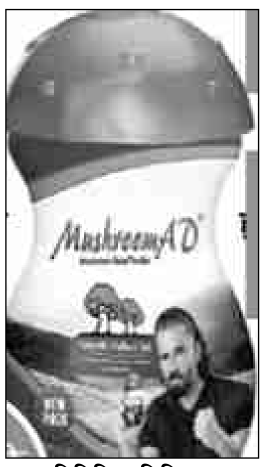

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 14 जून- वजन बढ़ाने का दावा करने वाली एक आयुर्वेदिक हेल्थ पावडर के कारण 18 से 20 वर्ष की उम्र के तीन युवकों के हिप ज्वाइंट गंभीर रूप से खराब होने का चौंकाने वाला मामला नागपुर के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय व अस्पताल (मेडिकल) में सामने आया है. इन तीनों युवकों पर हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट की सर्जरी करनी पड़ी, जिससे इस उत्पाद की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.पतले शरीर को लेकर होने वाले हीनभावना और फिल्मों के अभिनेताओं जैसे दिखने की चाह आजकल के युवाओं में काफी बढ़ गई है. इसी मानसिकता का फायदा उठाकर 'मशरुम एडी' नाम की आयुर्वेदिक हेल्थ पावडर वजन बढ़ाने, भूख बढ़ाने, कमजोरी दूर करने और पाचन सुधारने का दावा करती है. इस उत्पाद के विज्ञापनों में अभिनेता सुनील शेट्टी की तस्वीर का भी उपयोग किया गया है. यह हेल्थ पावडर ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध है.

मामला क्या है?

मेडिकल के ऑर्थोपेडिक विभाग के वरिष्ठ निवासी डॉ. प्रतीक तिवारी ने बताया कि कम उम्र में हिप ज्वाइंट खराब होना दुर्लभ है. इसलिए मरीजों की जांच के दौरान कारणों की तलाश की गई. पूछताछ में तीनों युवकों ने बताया कि उन्होंने लगातार तीन से छह महीने तक 'मशरूम एडी' हेल्थ पावडर का सेवन किया था. इनमें एक युवक और दो युवतियां शामिल हैं. वे नागपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के रहने वाले हैं.

हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी

इन युवाओं को शुरूआत में जांघ के ऊपरी हिस्से में गहरा दर्द, चलने में लंगड़ापन, उठने-बैठने में परेशानी और पैर मोड़ने में कठिनाई जैसी समस्याएं हुईं. स्थानीय डॉक्टरों से इलाज के बावजूद सुधार नहीं हुआ, बल्कि दर्द बढ़ता गया, जिसके बाद वे मेडिकल अस्पताल पहुंचे. जांच में उनके हिप ज्वाइंट को गंभीर नुकसान होने का पता चला. इसके बाद तीनों मरीजों पर हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की गई.

पावडर में स्टेरॉयड होने की आशंका

ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों के अनुसार, हिप ज्वाइंट खराब होने की समस्या अचानक सामने नहीं आती, बल्कि धीरे-धीरे बढ़ती है. वजन बढ़ाने वाली पावडर में अक्सर स्टेरॉयड मिलाए जाने की संभावना होती है, जिससे 'एवस्कुलर नेक्रोसिस' नामक बीमारी हो सकती है, जिसमें हड्डियों का रक्त प्रवाह रुक जाता है और हड्डी सड़ने लगती है.

एफडीए से जांच की मांग

आयुर्वेद के नाम पर बेची जा रही ऐसे पावडरों में क्या खतरनाक तत्व या अवैध स्टेरॉयड मिलाए जा रहे हैं, जिससे हड्डियों पर सीधा असर पड़ रहा है, इस पर सवाल उठ रहे हैं. अब मांग की जा रही है कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) इसकी तुरंत जांच करे.

युवाओं को सावधान रहने की अपील

पतले शरीर को लेकर मजाक या विज्ञापनों के प्रभाव में आकर किसी भी 'जादुई' पावडर का इस्तेमाल न करें. ऐसे उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हों, यह जरूरी नहीं है. डॉक्टर की सलाह के बिना वजन बढ़ाने या घटाने वाले किसी भी उत्पाद का सेवन गंभीर रूप से दिव्यांगता का कारण बन सकता है.

-डॉ. सुमेध चौधरी,
प्रमुख ऑर्थोपेडिक विभाग, मेडिकल.

नागपुर में सीजेपी का आंदोलन कल

संविधान चौक के आंदोलन में अभिजीत दीपके भी होंगे शामिल

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 14 जून- नीट पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय कॉकरोच जनता पार्टी अब नागपुर में बड़ा आंदोलन करने की तैयारी में है. पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों ने 16 जून को संविधान चौक पर आंदोलन की अनुमति के लिए पुलिस को आवेदन सौंपा है. इस प्रस्तावित आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया में युवाओं में उत्साह का माहौल दिखाई दे रहा है. पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सीताबर्डी पुलिस थाने में पहुंचकर आंदोलन की अनुमति मांगी है. इस दौरान कई युवाओं के हाथ में गुलाब के फूल भी थे. स्थानीय पदाधिकारी दुर्गेश कुडके ने बताया कि आंदोलन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और बड़ी संख्या में युवाओं के शामिल होने की संभावना है. उन्होंने कहा कि पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके से चर्चा हुई है और वे इस आंदोलन में शामिल हो रहे है. आयोजकों का दावा है कि संविधान चौक पर करीब 2 हजार लोग जुट सकते हैं. वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं से आंदोलन में शामिल होने की अपील भी की जा रही है. यदि अनुमति मिलती है तो यह नागपुर में कॉकरोच जनता पार्टी का दूसरा आंदोलन होगा, 6 जून को भी सीजेपी यहां शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए आंदोलन कर चुकी है.

आवेदन मिल गया अनुमति विचाराधीन

सीताबर्डी पुलिस स्टेशन के थानेदार सुहास राऊत ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि आंदोलन की अनुमति के लिए आवेदन प्राप्त हुआ है. इस संबंध में डीसीपी अन्नपूर्णा सिंह समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की जा रही है तथा आयोजकों से आवश्यक जानकारी मांगी गई है. सभी पहलुओं की जांच के बाद नियमों और शर्तों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा.

आज से नागपुर-इंदौर दैनिक सेवा बंद

महंगे ईंधन का असर नागपुर से कई उड़ानें कम

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 14 जून- विमानन ईंधन (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों और परिचालन लागत में इजाफे का असर नागपुर से संचालित उड़ानों पर दिखने लगा है. एयरलाइंस ने कई मार्गों पर उड़ानों की संख्या घटा दी है, जबकि कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से बंद की जा रही हैं. सबसे बड़ा असर नागपुर-इंदौर मार्ग पर पड़ा है, जहां 15 जून से दैनिक उड़ान सेवा स्थगित की जा रही है.

मिली जानकारी के अनुसार, नागपुर- इंदौर उड़ान 15 जून से बंद रहेगी. यह सेवा 18 जून से फिर शुरू होगी, लेकिन सप्ताह में केवल पांच दिन संचालित होगी. मंगलवार और बुधवार को इस मार्ग पर उड़ान उपलब्ध नहीं रहेगी. नागपुर - दिल्ली और नागपुर-मुंबई मार्ग पर भी उड़ानों की संख्या में कटौती की गई है. मुंबई के लिए अब केवल पांच दैनिक उड़ानें संचालित होंगी. वहीं, नागपुर-नवी मुंबई मार्ग पर इंडिगो की उड़ान 6ई-582 केवल 15 जून तक चलेगी. इसके बाद संशोधित शेड्यूल लागू किया जाएगा. इंडिगो की नागपुर-बेंगलुरु उड़ान 6ई- 6803 और हैदराबाद के लिए 6ई-7526 को भी 15 जून से बंद किया जा रहा है. कोलकाता के लिए बुधवार को संचालित उड़ान 6ई-505 को 10 जून से ही निलंबित कर दिया गया है. विमानन क्षेत्र के सूत्रों के अनुसार, एटीएफ की बढ़ती कीमतों के कारण एयरलाइंस कम लाभ वाले मार्गों की समीक्षा कर रही हैं, उड़ानों में कटौती से यात्रियों को सीमित विकल्प, टिकटों की बढ़ती कीमत और प्रतीक्षा अवधि बढ़ने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से व्यापारिक और नियमित यात्रियों पर इसका अधिक असर पड़ने की संभावना है.

प्यार ने कहीं का न छोड़ा, सब कुछ खत्म

लुटेरों ने युवक से लूटे 4.24 लाख

नागपुर में हनी ट्रैप का खौफनाक खेल

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 14 जून- जिले की घटना फोन पर युवती से दोस्ती एक युवक को भारी पड़ गई. युवती ने उसे हनी ट्रैप में फंसाया. मिलने के बहाने उसे अजनी थाना क्षेत्र में बुलाया गया. इसके बाद 5 लुटेरों ने उसे जान से मारने की धमकी देकर 4.24 लाख रुपए का माल लूट लिया. पुलिस ने 25 वर्षीय युवराज की शिकायत पर मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.पकड़े गए आरोपियों में जयभीमनगर निवासी तरुण वंजारी (23), बाबुलखेड़ा निवासी मनीष चौधरी (23) और अक्षय चौधरी (23) बताए जा रहे हैं. फरार आरोपियों में रोशन वरकड़े और गौरव रगड़े का समावेश है. युवराज भंडारा जिले का रहने वाला है. बूटीबोरी में अपनी पत्नी के साथ रहता है और बीफार्मा की पढ़ाई कर रहा है, उसके माता-पिता भंडारा में रहते हैं और फर्नीचर का व्यवसाय है, इसके साथ ही कपड़े की नई दुकान शुरू करने की तैयारी भी है.

युवती ने मिलने बुलाया- पिछले कुछ समय से सलोनी नामक लड़की उसके संपर्क में थी. दोनों के बीच नियमित वार्तालाप होता था. सलोनी ने उसे हनी ट्रैप में फंसाया. शुक्रवार को उसे मिलने के लिए कुकड़े लेआउट परिसर में बुलाया. युवराज को नई दुकान के लिए गांधीबाग से कपड़े खरीदने थे, वहां जाने के पहले युवराज कुकड़े लेआउट चला गया, वहां पहुंचा ही था कि एक युवक उसके पास आया और बाइक की चाबी निकाल ली. युवराज कुछ समझ पाता 3 आरोपी और आ गए. आरोपियों ने युवराज को घेर लिया. उसकी बाइक साइड में लगाकर पास खड़े ऑटो में ले गए, वहां चाकू की नोक पर उसकी सोने की अंगूठी, चेन, चांदी का ब्रासलेट, मोबाइल फोन लूट लिया, इसके बाद भी आरोपी युवराज से पैसों की मांग कर रहे थे. जान के डर से युवराज ने उन्हें अपने साथ बुटीबोरी चलने को कहा. इसी दौरान आरोपियों ने अपने पांचवें साथी को फोन किया.

घर जाकर भी वसूली रकम

वह कार क्र. एम. एच.49-बी, डब्लू. 3042 पर तत्काल वहां पहुंच गया, इसके बाद युवराज को कार में अपहरण कर यूटीबोरी ले जाया गया. युवराज ने अपनी पत्नी से लैपटॉप का बैग मंगाया, उसमें से 50,000 रुपए देकर पीछा छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन आरोपी लैपटॉप बैग में रखे कुल 1.99 लाख रुपए लेकर फरार हो गए. युवराज ने बूटीबोरी थाने पहुंचकर शिकायत की, घटनास्थल कुकडे लेआउट होने के कारण उसे अजनी थाने भेजा गया. इंस्पेक्टर प्रभाकर कवाड़े ने मामला दर्ज किया.

एक ही दिन में 210 शिकायतों का निपटारा

▸▸ हर शनिवार पुलिस स्टेशन पहुंचने की अपील

▸▸ एसपी कदम और वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न थानों में पहुंचकर की समीक्षा

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून - ग्रामीण पुलिस द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पुलिस-जन संवाद को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार शिकायत निवारण दिवस आयोजित किया जा रहा है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम द्वारा जिले के सभी पुलिस स्टेशनों में नियमित रूप से यह उपक्रम चलाने के निर्देश दिए गए हैं. निर्देशों के अनुसार सभी थाना प्रभारियों को नागरिकों से प्राप्त होने वाली शिकायतों को सुनकर उन पर तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं. इसी तरह शनिवार, 13 जून को आयोजित शिकायत निवारण दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम ने चांदूर बाजार थाने में स्वयं उपस्थित रहकर नागरिकों की शिकायतें सुनीं. वहीं अपर पुलिस अधीक्षक दत्ता तोटेवाड ने पुलिस स्टेशन दयार्पुर में उपस्थित रहकर शिकायतों की समीक्षा की. इसके अलावा संबंधित विभागों के उपविभागीय पुलिस अधिकारियों ने अपने अधीनस्थ पुलिस स्टेशनों का दौरा किया. जबकि सभी थाना प्रभारी अपने-अपने पुलिस स्टेशनों में उपस्थित रहकर नागरिकों की शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया में शामिल रहे. अभियान के दौरान जिलेभर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में प्राप्त कुल 210 नागरिक शिकायतों का निराकरण किया गया.जिससे आम नागरिकों को तुरंत राहत मिली. ग्रामीण पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं अन्य कठिनाइयों को लेकर अधिक से अधिक संख्या में प्रत्येक शनिवार संबंधित पुलिस स्टेशन में आयोजित शिकायत निवारण दिवस में उपस्थित होकर इस पहल का लाभ उठाएं.

गोरस भांडार पर की गई कार्रवाई के बाद नागपुर के किसान संकट में

30 .में बेंचना पड़ रहा 42 रूपए लीटर का दूध

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

वर्धा, 14 जून- वर्धा जिला स्थित नागापुर गांव में रोजाना 3 हजार लीटर दूध का उत्पादन होता है. यह दूध आज तक गोरस भांडार को दिया जाता था. किंतु अन्न व औषधि प्रशासन की कार्रवाई के बाद गोरस भांडार को सील कर दिया गया. जिसके कारण नागापुर के दुग्ध व्यावसायिक संकट में पड गए है. आज तक 42 रुपए प्रतिलीटर का दूध अब केवल 30 रुपए प्रतिलीटर से बेचना पड रहा है. कुछ किसानों ने तो शहर में जगह-जगह दुकानें लगाकर दूध की बिक्री शुरू कर दी है.वर्धा के गोरस भांडार को दिए जानेवाला सर्वाधिक दूध इसी गांव से जाता है. दूध की शुध्दता की जांच भांडार में आने के बाद की जाती है. मात्र गोरस भांडार को सील करने के बाद नागापुर के गौपालक संकट में आ गए है. कुछ किसानों ने निजी डेअरी पर दूध की बिक्री शुरू कर दी है. किंतु भाव कम मिलने से खर्च और मुनाफे का तालमेल बैठाना कठिन हो गया है.

किसान कहते है.....

हमारे गांव का दूध शुध्द होने का दावा किसान करते है, वहीं दूसरी ओर इन किसानों की दूध बिक्री व्यवस्था खंडित हो जाने के कारण पशुओं के चारे की व्यवस्था, कृषि और गौपालन पर परिणाम हो रहा है, ऐसी व्यथा गौपालक विष्णु मोहदुरे ने व्यक्त कीं है. वहीं विठ्ठल राउत ने भी दूध वितरण व्यवस्था शुरू करने में क्या आपत्ति है, ऐसा सवाल उपस्थित किया है.

सिंधी लोक कला के विकास हेतु कटिबद्ध है द.म. सांस्कृतिक केंद्र

आस्था कारलेकर का प्रतिपादन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 14 जून- भारत सरकार सांस्कृतिक मंत्रालय के अधीन दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र एक प्रमुख स्वायत्त संस्था है. जिसका उद्देश्य महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना की समृद्ध लोककलाओं, जनजातिकलाओं, शिल्पकलाओं को और अधिक संरक्षित व प्रोत्साहन देना है. सिंधी समाज के लोक नृत्य सिंधी छेज, लोक गीत, सिंधी भगत के विकास , हस्त कला हेतु दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र नागपुर कटिबद्ध है, ऐसा आवाहन आस्था कारलेकर (निदेशक, दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर) ने किया.

आस्था कारलेकर से भारतीय सिंधू सभा के राष्ट्रीय संरक्षक घनश्यामदास कुकरेजा के नेतृत्व में, भारतीय सिंधू सभा सांस्कृतिक मंच नागपुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तुलसी सेतिया ने अनौपचारिक मुलाकात की. घनश्यामदास कुकरेजा ने सांसद शंकर लालवानी की पहल पर भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा 7 मई 2026 को जारी किए गये पत्रक का हवाला देते हुए कहा कि पूरे देश में सांस्कृतिक मंत्रालय के स्थापित 7 ऐसे सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से सिंधी लोक कला,लोक नृत्य ,शिल्प कला, भगत को विकसित प्रोत्साहित करने हेतु कलाकारों को अवसर प्रदान करना चाहिए. इस संदर्भ में आस्था कारलेकर (निदेशक, दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर) ने पूर्ण सहयोग देने की घोषणा की. भारतीय सिंधू सभा की ओर से आस्था कारलेकर का घनश्यामदास कुकरेजा ने स्वागत किया.

पुरानी रंजिश में लिया बदला

युवक की चाकू घोंपकर हत्या, आरोपी फरार

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अकोला, 14 जून-रामदास पेठ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तार फैल स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां पुरानी रंजिश के चलते एक 29 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई. इस वारदात के बाद से पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल व्याप्त है. मृतक की पहचान अफोट फैल, अशोक नगर निवासी अंकुश नंदा गवली के रूप में हुई है.

बताया जा रहा है कि अंकुश का कुछ लोगों के साथ पुराना विवाद चल रहा था. इसी रंजिश के तहत दो आरोपियों ने आंबेडकर चौक में उसे घेर लिया और धारदार चाकू से ताबड़तोड़ कई वार कर दिए. हमला इतना भयानक था कि अंकुश खून से लथपथ होकर वहीं जमीन पर गिर पड़ा और वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. घटना की भनक लगते ही स्थानीय नागरिकों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी. मामले की गंभीरता को देखते हुए उपविभागीय पुलिस अधिकारी सुदर्शन पाटील, रामदासपेठ पुलिस थाना प्रभारी शिरीष खंडारे और स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक नितिन लेव्हरकर अपने-अपने दलों के साथ फौरन घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए और पंचनामा की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सर्वोपचार अस्पताल भेज दिया.फरार आरोपियों को दबोचने के लिए रामदासपेठ पुलिस की डिटेक्शन शाखा और स्थानीय अपराध शाखा की टीमें सक्रिय कर दी गई है. पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ संदिग्ध ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है. हालांकि शुरूआती जांच में हत्या की वजह पुरानी दुश्मनी ही नजर आ रही है, लेकिन पुलिस हर एंगल से मामले की तफ्तीश कर रही है.

नियम में बदलावों से सोलर ऊर्जा पर संकट का साया

केंद्र के नए नियमों से महंगे हुए सोलर पैनल

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 14 जून - केंद्र सरकार के नए नियमों के कारण सोलर पॅनल महंगे हो गए है. बढी हुई कीमतों की वजह से उद्योग-व्यवसायियों द्वारा सोलर प्रकल्प बैठाए नहीं जा रहे है. पूरे देश में अनेक प्रकल्प प्रलंबित होने की वजह से व्यवसाय का आर्थिक गणित प्रभावी हो गया है.

चीन में जाने वाले विदेशी चलन को रोकने के लिए केवल देशांतर्गत निर्माण होने वाले सौर घट (सोलर सेल) इस्तेमाल करने की केंद्र सरकार की निति के कारण सोलर पॅनल उत्पादन का प्रश्न गंभीर हुआ है. बाजार में देशांतर्गत सोलर सेल्स की किल्लत है, नए नियमों की वजह से सोलर उुर्जा उत्पादनों के टारगेट्स को रोक लगने की संभावना है. साथ ही खर्च में वृद्धि होने से बडे सोलर प्रकल्पों का काम भी ठप पडा हुआ है. देश में वर्तमान में करीबन 210 गिगावॉट क्षमता के सोलर पॅनल बनाए जाते है. उसके लिए आवश्यक सोलर सेल्स की करीब 90 प्रश. आयात चायना से की जाती है. सोलर सेल्स की निर्मिती करने वाले गीने-चुने ही उत्पादक देशांतर्गत है, उनकी उत्पादन क्षमता केवल 30 गिगावॉट है. परंतु देशांतर्गत सोलर पॅनल का निर्माण के लिए ह्यएएलएमएम-1ह्ल और 1 जून से ह्यएएलएमएम-2ह्ल ऐसे केवल देशांतर्गत सोलर सेल इस्तेमाल करने के लिए लागू किए है. वर्तमान में सोलर सेल्स के लिए लगने वाले ह्यवेफरह्ल और ह्यइंगोट्सह्ल चीन से ही आयात किए जाते है. इसपर हल के तौर पर, 1 जून 2028 से ह्यएएलएमएम-3ह्ल यानी सोलर सेल्स के लिए लगने वाले ह्यवेफरह्ल और ह्यइंगोट्सह्ल भी भारत में निर्माण करने का टॉर्गेट है. परंतु देश में न्यूनतम 3 स्वतंत्र ह्यवेफरह्ल उत्पादक कंपनियां और उनकी कुलमिलाकर वार्षिक क्षमता कम से कम 15 गिगावॉट होगी. तब ही ह्यएएलएमएम-3ह्ल की सूची जाहिर की जाने वाली है.

महाराष्ट्र सोलर एसो. के संस्थापक सदस्य मनोज पाटिल ने बताया कि, सोलर सेल्स की किल्लत की वजह से सोलर प्रकल्पों के निर्मिती का प्रश्न निर्माण हुआ है. आखाति युद्ध की वजह से आपूर्ति की चेन प्रभावित होने से ईंधन-कॉपर-स्टिल-केबल की कीमतों में वृद्धि हुई है. उसमें अब केंद्र सरकार के नए नियमों की वजह से सोलर पॅनल महंगे हो गए है. पूरे देश में अनेक प्रकल्प प्रलंबित पडे है.महाराष्ट्र सोलर मॅन्युफॅक्चरर्स एसो. (मास्मा) के सदस्य-सचिव सहज मुथा ने कहा कि, देश अंतर्गत सोलर सेल्स की किल्लत की वजह से प्रकल्प की कीमतें बढी हुई है. नयी नीति दुगामी परिणामों का विचार करने पर अच्छी है, परंतु उसका क्रियान्वयन के लिए पहले उत्पादकों की भी संख्या बढाने की जरूरत है.

▸▸ बिजली के दरों पर असर क्या?- एक कालावधि के पश्चात देशांतर्गत सोलर सेल का उत्पादन बढेगा. सोलर सेल की किल्लत और सोलर पॅनल की बढी हुई कीमतों के साथ ही, बिजली निर्मिती खर्च में कितनी वृद्धि होगी, इसका भी विचार करना जरूरी है. वर्तमान में फिर भी, सोलर उुर्जा के दाम में प्रति यूनिट करीबन 10 प्रश. से कम यानी 25 पैसों की ही वृद्धि हुई दिखाई देती है, यह बात बिजली नियामक आयोग के पूर्व सदस्य जयंत देव ने कही. नए नियमों की वजह से एक वॉट क्षमता के सोलर सेल के लिए 10 से15 रुपए जबकि 1 किलो वॉट के पॅनल के लिए 10 हजार से 15 हजार रुपये और 1 मेगावॉट के लिए 1 करोड से डेढ करोड रुपये ज्यादा गिनने पड़ते हैं, यह डिफरेंस बढने पर सोलर प्रकल्पों की कीमतें वर्तमान कीमतों से भी अधिक बढ़ेगी

- गजानन जोशी, सोलर उुर्जा के विशेषज्ञ

सरकारी स्तर पर सकारात्मक विचार

'देशांतर्गत उत्पादन को बढावा देने के लिए नयी नीति लाई गई. परंतु सोलर सेल्स की किल्लत के कारण निर्माण हुए प्रश्न को ध्यान में रखकर, 1 जून के पहले के करारों के लिए कुछ अंशों में छूट दी गई. अब सभी प्रश्नों पर हल निकालने के लिए सरकारी स्तर पर सकारात्मक विचार किया जा रहा है.'

- श्रीपाद नाईक, केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री